प्र?न चिन्ह पर कुछ प्र?न ?

सवाल - प्रश्नवाचक चिन्ह का जन्म कैसे हुआ? उसका आकार कान जैसा होता है। क्या कान से उसका कोई लेना-देना है?

जवाब - एक मत है कि मध्यकाल में लातिन भाषा के लेखक लीग किसी सवाल को एक छोटे से q से दर्शाया करते थे। गौरतलब है कि q सवाल के लिए लातिन शब्द क्वेस्टिओ (questio) का पहला अक्षर है। सदियां बीतीं और q धीरे-धीरे ? बन गया।

हां, प्रश्नवाचक चिन्ह के आकार का कान के आकार से कोई लेना-देना नहीं है। इसके उद्भव को लेकर एक मत और है, जिसका सम्बंध संगीत से है। इस मत के अनुसार इसका उद्भव मध्यकाल में हुआ। लगभग 800 ईस्वीं में चार्लमैग्ना के समय में। प्रश्नवाचक चिन्ह दरअसल दो अलग-अलग चिन्हों से मिलकर बना है - एक घुमावदार निशान और एक बिन्दु। बिन्दु वाक्य का अंत दर्शाता है। हमारे सभी विराम चिन्हों ., ?, ! में यह बिंदु नज़र आता है। मध्यकाल के उत्तरार्द्ध में भी इस बिंदु का वही अर्थ था जो आज है। प्रारम्भ में घुमावदार रेखा अपनी आज की जगह पर न होकर बगल में हुआ करती थी; कुछ ऐसे .~ मगर कुछ ऊपर की ओर उठी हुई -.।

यह चिन्ह (~) संगीत में स्वर की तीव्रता बताने का यह एक प्राचीन तरीका है। इसका मतलब यह है कि वहां सुर थोड़ा ऊंचा होगा। किसी वाक्य को प्रश्न बनाते समय भी तो हम यही करते हैं - उसके अंतिम शब्द का सुर थोड़ा ऊंचा रखते हैं। यानी आज के प्रश्न चिन्ह का सम्बंध मध्ययुगीन लैटिन की संगीतमयता से है। कुछेक छोटे-बड़े परिवर्तनों के साथ .~ चिन्ह पूरे मध्यकाल में उपयोग किया जाता रहा। ये परिवर्तन कुछ तो लोगों की लिखाई के चलन और कुछ लिपि की परम्पराओं के चलते हुए।

हमारा जाना-पहचाना खड़ा प्रश्नवाचक चिन्ह सबसे पहले 1400 ईस्वीं के उत्तरार्ध में नज़र आया और इसके बाद सोलहवीं सदी के दौरान यह मानकीकृत हो गया था।

इस समय यह सर्वाधिक जाने माने प्रिंटर एल्डस मैनुटियस द्वारा भी इस्तेमाल किया जाने लगा था। इन प्रिंटर्स के टाइप 1300 ईस्वीं की ह्यूमेनिस्ट लिपियों पर आधारित थे। (गौरतलब है कि यहीं से हमने सारे रोमन और इटैलिक फॉन्ट लिए हैं)। इनमें मध्यकालीन प्रश्नवाचक चिन्ह ज़्यादा स्टाइल वाले थे।

स्पेन में सिर के बल खड़े प्रश्नवाचक चिन्ह का उद्भव 1700 ईस्वीं के मध्य में हुआ। महसूस किया गया था कि वाक्य के अन्त में लगा एक अकेला चिन्ह स्पैनिश पाठकों को सुर ऊंचा करने की प्रेरणा नहीं देता। 1739 में आधिकारिक तौर पर इस समस्या को समझा गया और इसका समाधान यह निकला कि प्रश्नवाचक वाक्य के शुरू में ¿ और अंत में ? का इस्तेमाल किया जाए। अलबत्ता इसे चलन में आने में दो-एक दशक लग गए।

एक और प्रश्नवाचक चिन्ह था जो बहुत कम समय अस्तित्व में रहा। यह प्रश्न चिन्ह उन सवालों के अंत में इस्तेमाल होता था जिनके जवाब की उम्मीद नहीं थी। यह कुछ इस तरह का था - ⸮। यानी इसका मुंह सवाल के दूसरी ओर खुलता था। दुर्भाग्यवश यह निशान ज़्यादा उम्र न पा सका और 1600 में ढेर हो गया और हमारे पास रह गया एक मात्र मानक चिन्ह - ? ***(स्रोत विशेष फीचर्स)***